वर्ष 22, अंक 241, 42 पेज, मूल्य ₹ 3.00, कार्तिक, कृष्ण पक्ष, त्रयोदशी, विक्रम सम्वत् 2074

हिन्दुस्तान

तरक्की को चाहिए नया नजरिया

मंगलवार, 17 अक्तूबर 2017, लखनऊ, पांच प्रदेश, 20 संस्करण, नगर संस्करण

www.livehindustan.com

धनतेरस की शुभकामनाएं

सरसों के तेल की तीखी गंध से भागते हैं कीड़े-मकोड़े

लखनऊ। दिवाली में सरसों के तेल से जलने वाले दीए कीड़े-मकोड़ों को तो मारते हैं, साथ में सांप-बिच्छुओं को भी भगाने का काम करते हैं। पर्यावरण में मौजूद बैक्टीरिया भी समाप्त करते हैं। यह बात वैज्ञानिक शोध में भी साबित हो चुकी है। इसीलिए धन्वंतरि जयंती पर तेल के दीपक जलाने की परम्परा बनाई गई है। वैदिक विज्ञान केन्द्र के प्रभारी व स्कूल आफ मैनेजमेंट साइंसेज के महानिदेशक (तकनीकी) डॉ. भरत राज सिंह का कहना है कि सरसों का तेल जलने पर अल्फा लीनो लेनिक एसिड व इरोसिक एसिड बनती है और एलिल आइसो थायो साइनेट गैस निकलती है। कीड़े-मकोड़ों को भगाने का यह सबसे कारगर उपाय है। प्रसं